२ काल (Tense)

क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के करने का समय पता चलता है, उसे क्रिया का **काल** कहते हैं।

i. आप **पढ़ाते हैं**।
ii. बारात **आई**।
iii. संपादक थाना **पहुँच चुके थे**।
iv. आमदनी **बढ़ेगी**।

काल के तीन भेद हैं:

१. वर्तमान काल २. भूत काल ३. भविष्य काल

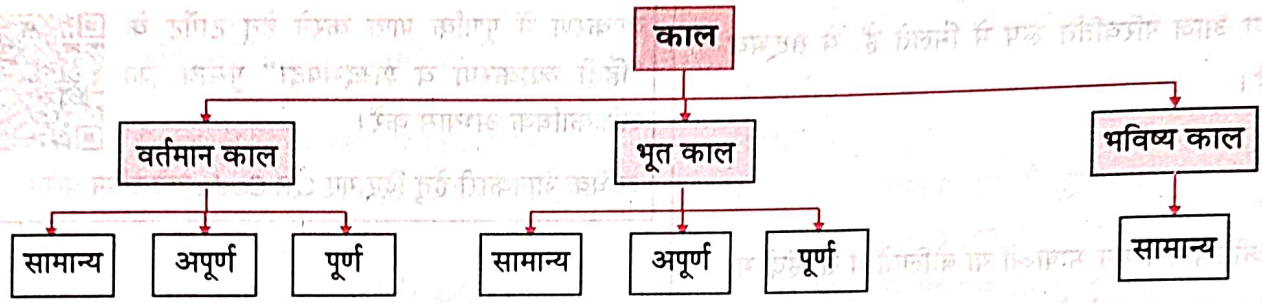

१. **वर्तमान काल:** क्रिया के जिस रूप से वर्तमान समय में कार्य होने का बोध हो, उसे **वर्तमान काल** कहते हैं।

उदाहरण: मोहन मुरली बजाता है।

वर्तमान काल के निम्नलिखित भेद हैं:

क. **सामान्य वर्तमान काल:** क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि वर्तमान समय में कार्य होता है, उसे **सामान्य वर्तमान काल** कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं खाना **खाता हूँ**। ii. तुम गेंद **खेलते हो?**

ख. **अपूर्ण वर्तमान काल:** क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वर्तमान समय में कार्य पूर्ण नहीं हुआ है अर्थात कार्य चल रहा है, उसे **अपूर्ण वर्तमान काल** कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं घर **जा रहा हूँ**। ii. तुम **सो रहे हो**।

ग. **पूर्ण वर्तमान काल:** क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि वर्तमान समय में कार्य समाप्त हो गया है, उसे **पूर्ण वर्तमान काल** कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं आपके पैसे **लाया हूँ**।
ii. मैंने पाठ **पढ़ा है**।

२. **भूत काल:** क्रिया के जिस रूप से भूत काल में हुए कार्य का बोध हो, उसे **भूत काल** कहते हैं। इस काल में बीते समय में किसी कार्य के पूर्ण होने की सूचना मिलती है।

उदाहरण: श्याम ने गीत गाया ।

भूत काल के निम्नलिखित भेद हैं –

क. **सामान्य भूत काल:** क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि कार्य समाप्त हो गया, उसे **सामान्य भूत काल** कहते हैं ।

उदाहरण:

i. मैंने खाना **खाया**।
ii. रुचि वर्ग में प्रथम **आई**।

ख. **अपूर्ण भूत काल:** क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि क्रिया भूत काल में हो रही थी, उसे **अपूर्ण भूत काल** कहते हैं।

उदाहरण:

i. अहमद मियाँ **रो रहे थे**।
ii. हम घाटी में नीचे उतरते **जा रहे थे**।

ग. **पूर्ण भूत काल:** क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि क्रिया बहुत पहले समाप्त हो चुकी थी, उसे **पूर्ण भूत काल** कहते हैं।

उदाहरण:

i. उन्होंने कहा था।

ii. मैंने छुट्टी माँगी थी।

३. **भविष्य काल:** क्रिया के जिस रूप से भविष्य में होने वाले कार्य का बोध हो, उसे भविष्य काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. राम मुंबई जाएगा।

ii. पिता जी नई गाड़ी खरीदेंगे।

पाठ्यक्रमानुसार भविष्य काल का एक भेद निम्नलिखित है:

क. **सामान्य भविष्य काल:** क्रिया के जिस रूप से यह मालूम होता है कि कार्य आने वाले समय में होगा उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं आपके साथ विद्यालय भी चलूँगा।

ii. माँ सब्जी लाएगी।

स्वाध्याय

क.१. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

i. बोरी कंधे पर लटका अमरू चल दिया। (सामान्य वर्तमान काल)

ii. मैं खुद तुम्हें पैसे देना चाहता हूँ। (अपूर्ण भूत काल)

iii. वह खिलखिलाकर हँस रहा था। (सामान्य भविष्य काल)

iv. वे सत्त्व की चर्चा करते हैं। (पूर्ण वर्तमान काल)

v. मैं तुम्हें सबक सिखाना चाहता था। (अपूर्ण वर्तमान काल)

vi. वे दवाइयों का बैग उठाकर चले गए। (सामान्य भविष्य काल)

vii. विज्ञान अपनी चरमसीमा तक पहुँच चुका है। (पूर्ण भूत काल)

viii. उन्हें नमन करने का मन करता है। (सामान्य भविष्य काल)

ix. धीरे-धीरे आदमी का महत्त्व कम होते गया। (सामान्य वर्तमान काल)

x. उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ रही है। (पूर्ण भूत काल)

उत्तर:

i. बोरी कंधे पर लटका अमरू चल देता है।

ii. मैं खुद तुम्हें पैसे देना चाह रहा था।

iii. वह खिलखिलाकर हँसेगा।

iv. वे सत्त्व की चर्चा कर चुके हैं।

v. मैं तुम्हें सबक सिखाना चाह रहा हूँ।

vi. वे दवाइयों का बैग उठाकर चले जाएँगे।

vii. विज्ञान अपनी चरमसीमा तक पहुँच चुका था।

viii. उन्हें नमन करने का मन करेगा।

ix. धीरे-धीरे आदमी का महत्त्व कम होता है।

x. उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ चुकी थी।

४ वाक्य-भेद (Types of sentences)

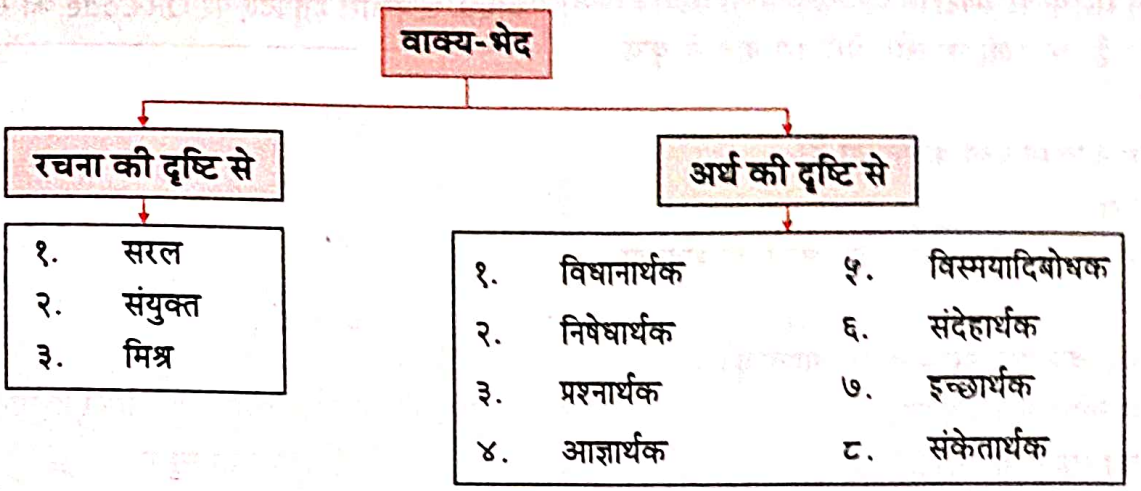

रचना के अनुसार वाक्य के तीन भेद हैं :

१. **सरल वाक्य:**
जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है, उसे **सरल वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: चारों ओर खोज शुरू हो गई।

२. **संयुक्त वाक्य:**
जिस वाक्य में दो या दो से अधिक वाक्य स्वतंत्र होते हुए भी किसी समुच्चयबोधक द्वारा जुड़े हुए हों, उसे **संयुक्त वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: एक आदमी थाने गया और वहाँ से थानेदार को बुला लाया।

३. **मिश्र वाक्य:**
जिस वाक्य में एक प्रधान वाक्य हो और अन्य वाक्य उसके अधीन हों, उसे **मिश्र वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: आखिर यह फैसला हुआ कि घर में एक बिल्ली पाली जाए।

अर्थ के अनुसार वाक्य के आठ भेद हैं:

१. **विधानार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है, उसे **विधानार्थक वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: मैं एक अन्य सौर मंडल के ग्रह में हूँ।

२. **निषेधार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में क्रिया के न करने या न होने का बोध हो, उसे **निषेधार्थक वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: ये काम अकेले मेरे लिए कर पाना संभव नहीं है।

३. **प्रश्नार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में कोई प्रश्न किया जाए तो वह **प्रश्नार्थक वाक्य** कहलाता है।
उदाहरण: मनुष्य को क्या चाहिए?

४. **आज्ञार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में आदेश या अनुमति दी जाती है, उसे **आज्ञार्थक वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: तुम अपनी बात कह सकते हो।

५. **विस्मयादिबोधक वाक्य:**
जिस वाक्य में विस्मय, आश्चर्य, शोक, हर्ष, घृणा आदि का भाव प्रकट होता है, उसे **विस्मयादिबोधक वाक्य** कहा जाता है।
उदाहरण: वाह! क्या सुंदर बंगला है।

६. **संभावनार्थक/संदेहार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में संदेह या संभावना व्यक्त होती है, वह **संभावनार्थक** अथवा **संदेहार्थक वाक्य** कहलाता है।
उदाहरण: शायद मुझे ही दुनिया बदलनी होगी।

७. **इच्छार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में इच्छा, आशीर्वाद, शाप आदि भाव व्यक्त किए जाते हैं, वे **इच्छार्थक वाक्य** कहलाते हैं।
उदाहरण: पिता जी आ जाएँ तो अच्छा हो।

८. **संकेतार्थक वाक्य:**
जिस वाक्य में एक क्रिया का दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध होता है, उसे **संकेतार्थक वाक्य** कहते हैं।
उदाहरण: मैं कविता लिखता तो अवश्य पुरस्कार पाता।

स्वाध्याय

कृ.१. निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए:

i. उन्हें लगा कि डॉक्टर साहब आए थे।
ii. मैं जिंदा हूँ और बिल्कुल ठीक हूँ।
iii. वह एकदम रोटियों पर झपटी।
iv. मुझे उम्मीद है कि पृथ्वी के लोग मेरी इस बात से कुछ सबक लेंगे।
v. इस बदमाश ने किसी बच्चे को पकड़ा है।
vi. बोरी नीचे रखो।
vii. थानेदार डर गए कि उनकी नीयत पर लोगों को शक हो रहा है।
viii. मैं तुम्हारी तनख्वाह का हिसाब करना चाहता हूँ।
ix. वायरलेस से संदेश भेज दिए गए।
x. धीरे-धीरे कई महीने बीत गए।

उत्तर:

i.	मिश्र वाक्य	ii.	संयुक्त वाक्य
iii.	सरल वाक्य	iv.	मिश्र वाक्य
v.	सरल वाक्य	vi.	सरल वाक्य
vii.	मिश्र वाक्य	viii.	सरल वाक्य
ix.	सरल वाक्य	x.	सरल वाक्य

कृ.२. सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:

i. मैं उनकी बात से सहमत नहीं हूँ। (विधानार्थक वाक्य)
ii. मार्ग के दोनों ओर जलाशय हैं। (संदेहार्थक वाक्य)
iii. परकोटे में जगह-जगह बुर्जियाँ बनाई गई हैं। (निषेधार्थक वाक्य)
iv. कुछ एक संबंधी इकट्ठे हो गए। (आज्ञार्थक वाक्य)
v. माता जी जल्दी-जल्दी पूरियाँ बनातीं। (संदेहार्थक वाक्य)
vi. अधिक रक्तस्राव से उसकी मृत्यु हुई। (निषेधार्थक वाक्य)
vii. शायद दुर्घटनास्थल पर भयावह दृश्य था। (विधानार्थक वाक्य)
viii. ईजल पर कैनवास लगाया था। (आज्ञार्थक वाक्य)
ix. डॉक्टर ने खून की जाँच करवाई थी। (प्रश्नार्थक वाक्य)
x. मेरे पास आकर बैठ गया। (इच्छार्थक वाक्य)

उत्तर:

i. मैं उनकी बात से सहमत हूँ।
ii. शायद मार्ग के दोनों ओर जलाशय हैं।
iii. परकोटे में जगह-जगह बुर्जियाँ नहीं बनाई गई हैं।
iv. कुछ एक संबंधी इकट्ठे हो जाओ।
v. शायद माता जी जल्दी-जल्दी पूरियाँ बनातीं।
vi. अधिक रक्तस्राव से उसकी मृत्यु नहीं हुई।
vii. दुर्घटनास्थल पर भयावह दृश्य था।
viii. ईजल पर कैनवास लगाओ।
ix. क्या डॉक्टर ने खून की जाँच करवाई थी?
x. मेरे पास आकर बैठ जाओ।

व्याकरण में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व शब्दसंपदा"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें।

अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

4. संधि

ध्यान में रखें :

संधि के अंतर्गत तालिका पूर्ण करने के लिए कहा जाएगा। इसके अंतर्गत दो प्रश्न होंगे।

(i) एक शब्द का संधि विच्छेद कर भेद लिखना : 1 अंक

(ii) एक संधि विच्छेद की संधि कर भेद लिखना : 1 अंक

इसके लिए **कुल 2 अंक** हैं।

संधि का शाब्दिक अर्थ है मेल या जोड़ना। जब दो निकटवर्ती ध्वनियाँ आपस में मिलती हैं, उसे **संधि** कहते हैं। **जैसे –**

दया + आनंद = दयानंद

धर्म + अर्थ = धर्मार्थ

संधि तीन प्रकार की होती हैं :

स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

(1) **स्वर संधि :** पास-पास आने पर दो स्वरों में आने वाले परिवर्तन को **स्वर संधि** कहते हैं।

स्वर संधि के भेद :

(1) **दीर्घ संधि :**

अ	+	अ	= आ	शब्द	+ अर्थ	शब्दार्थ
आ	+	आ	= आ	हिम	+ आलय	हिमालय
इ	+	इ	= ई	रवि	+ इंद्र	रवींद्र
इ	+	ई	= ई	कपि	+ ईश	कपीश

(2) **गुण संधि :**

अ	+	इ	= ए	सुर	+ इंद्र	सुरेंद्र
अ	+	ई	= ए	गण	+ ईश	गणेश
आ	+	उ	= ओ	महा	+ उत्सव	महोत्सव
आ	+	ऋ	= अर्	महा	+ ऋषि	महर्षि

(3) **वृद्धि संधि :**

आ	+	ए	= ऐ	सदा	+ एव	सदैव
अ	+	औ	= औ	वन	+ औषधि	वनौषधि
अ	+	ए	= ऐ	लोक	+ एषणा	लोकैषणा
आ	+	ओ	= औ	महा	+ ओज	महौज

(4) **यण संधि :**

उ	+	अ	= व	सु	+ अच्छ	स्वच्छ
इ	+	अ	= य	यदि	+ अपि	यद्यपि
ई	+	आ	= या	नदी	+ आगम	नद्यागम
उ	+	आ	= वा	सु	+ आगत	स्वागत

(5) **अयादि संधि :**

ए	+	अ	= अय्	शे	+ अन	शयन
ऐ	+	अ	= अय्	गै	+ अक	गायक
आ	+	अ	= अव्	पो	+ अन	पवन
औ	+	अ	= आव	भौ	+ उक	भावुक

(2) **व्यंजन संधि :** व्यंजन और स्वर अथवा व्यंजन और व्यंजन के योग से होने वाले परिवर्तन को **व्यंजन संधि** कहते हैं।

उदाहरण :

(1) **व्यंजन + स्वर**

दिक्	+	गज	=	दिग्गज
चित्	+	आनंद	=	चिदानंद
अच्	+	आदि	=	अजादि

(2) **व्यंजन + व्यंजन**

सत्	+	जन	=	सज्जन
सम्	+	चार	=	संचार
वाक्	+	जाल	=	वाग्जाल
तत्	+	लीन	=	तल्लीन
निर्	+	रोग	=	नीरोग

(3) **विसर्ग संधि** : विसर्ग (:) के बाद स्वर या व्यंजन आने पर जो परिवर्तन होता है, उसे **विसर्ग संधि** कहते हैं।

उदाहरण :

निः	+	चय	=	निश्चय
दुः	+	गति	=	दुर्गति
तपः	+	बल	=	तपोबल
मनः	+	योग	=	मनोयोग

कृति-स्वाध्याय एवं उत्तर

(1) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :

(1) विद्या + आनंद (2) रवि + इंद्र
(3) रमा + ईश (4) नर + इंद्र
(5) दुः + जन (6) उत् + लेख
(7) निः + रस (8) सम् + कल्प
(9) भौ + उक (10) अति + अधिक।

उत्तर : (1) विद्यानंद (2) रवींद्र (3) रमेश (4) नरेंद्र
(5) दुर्जन (6) उल्लेख (7) नीरस (8) संकल्प
(9) भावुक (10) अत्यधिक।

(2) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :

(1) अनुच्छेद (2) पुण्यात्मा (3) महेंद्र (4) देवर्षि (5) परोपकार
(6) नायिका (7) तपोबल (8) प्रत्येक (9) निश्चल (10) उज्ज्वल।

उत्तर : (1) अनु + छेद (2) पुण्य + आत्मा (3) महा + इंद्र
(4) देव + ऋषि (5) पर + उपकार (6) नै + इका
(7) तपः + बल (8) प्रति + एक (9) निः + चल
(10) उत् + ज्वल।

(3) निम्नलिखित की संधि पहचानकर लिखिए :

(1) मनः + रथ (2) सत् + जन
(3) परि + ईक्षा (4) परम + आनंद।

उत्तर : (1) विसर्ग संधि (2) व्यंजन संधि
(3) स्वर संधि (4) स्वर संधि।

(4) तालिका पूर्ण कीजिए :

संधि	संधि विच्छेद	भेद
दिग्विजय	----------	----------
----------	गुरू + उपदेश	----------

उत्तर :

संधि	संधि विच्छेद	संधि भेद
दिग्विजय	दिक् + विजय	व्यंजन संधि
गुरूपदेश	गुरु + उपदेश	स्वर संधि